प्रतिवेदन

2018 - NSS CAMP G.M.K.G.C DANTEWADA TEKNAAR

दन्तेवाड़ा जिला के ग्राम टेकनार के सेवा केन्द्र में दिनांक 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक. शा.क.म. की छात्राओं का NSS के वार्षिक शिविर का आयोजन 51 स्वयं सेवक सहायक कार्यक्रम अधिकारी और कार्यक्रम अधिकारी पूरे जोश और उत्साह के साथ शिविर स्थल टेकनार के सेवा केन्द्र पहुंचे।

जैसा की NSS के स्वयं सेवकों को प्रतिवर्ष अपने महाविद्यालय से 8 K.M के दायरे में समाज सेवा, समाज की आवश्यकताओं को जानने उनकी कठिनाइयों को समझने और यथा संभव उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ ही स्वयं सेवकों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य को लेकर समूह कार्य करते हैं इन्हीं उद्देश्यों को लेकर अपना इस वर्ष एक मुख्य थीम सशक्त महिला सशक्त समाज लेकर ग्राम टेकनार आए।

प्रथम दिवस टेकनार आकर सरपंच से संपर्क कर भवन खुलवा साफ सफाई किया अपने सामान व्यवस्थित किए और शिविर के उद्घाटन की तैयारी की। स्वयं सेवकों को पांच समूहों में बांट दिया और जैसा की हमारी मुख्य थीम है सशक्त म. स. समाज समूहों का नाम कल्पना चावला, मैरी कॉम, लक्ष्मी बाई, किरण बेदी और प्रतिभा पाटिल जैसी मशहूर महिला हस्तियों पर रखा गया।

उद्घाटन में ग्राम की सरपंच बारोबाई पंचायत सदस्य श्री शिवलाल नाग, महा. वि. के प्राचार्य श्री डॉ आर के पुरोहित सर NSS के जिला संगठक श्री नेताम सर, क.न्या. महा. के डॉ विवेक शर्मा, श्री सुरेन्द्र साहू सर और अन्य प्राध्यापक गणों ग्रामीण जनों की उपस्थिति में शुभारम्भ हुआ।

इन सात दिवसों में प्रत्येक दिन की दिनचर्या निर्धारित थी जिसमें सुबह 5 से 10 बजे तक का समय था। हर दिन प्रातः 6 बजे हम प्रभात फेरी को निकलते थे जिसमें स्लोगन नारे और गीतों के साथ हम गांव की गलियों में संदेश देते थे सद्भाव का देशप्रेम का अलख जगाते थे। पी.टी. योगा, परियोजना कार्य, भोजन विश्राम के पश्चात बौद्धिक परिचर्चा फिर देशी खेल कूद, सर्वे, शिविर चर्चा और फिर सांस्कृतिक प्रत्येक दिन निर्धारित समय पर होता था।

नाश्ते के पश्चात प्रातः 8:30 बजे से हर दिन समूहों में बंटकर हम निकल पड़ते थे उन निर्धारित स्थानों की ओर जहां जाने के लिए हमने श्रमदान योजना बनाई थी। 29 नवम्बर को हमने ग्राम के प्रसिद्ध मंदिर माता मंदिर में साफ सफाई की। शिविर के आसपास सफाई की NSS के झंडे को लगाया दो बड़े और छोटे कचरे के लिए बनाए ईंटों का घेरा लगाया पर असामाजिक की खाद के लालच में जानवरों ने उसे तहस नहस कर डाला। हमने कठिन होने का चार बनाया पानी निकासी के लिए नाली खोद।

आज हम विदाई के दिन हम आप सभी से बोलना चाहते हैं यह अनुभव जो दिनों में हमें यहां मिला वो यहां का खानपान जो हम यहां से लेकर हम शुरुआत करते हैं गांव के लोग परिवार की भांति रहे और यहां की लोगों का सहयोग हमें अभिभावकों की तरह मिला जो कभी ~~कुछ~~ होने ऐसा कोई अपना है और हुआ महसूस है। हमें सुबह दोपहर खाना समय से आने में देरी होगी करकर एकदिन हमारा चावल खत्म हुआ तो खरीदने का सोचा और खरीदने जब ~~गये~~ के दुकान गये तो चावल नहीं मिला गया और यहां जी ने एक बोरी चावल दिलवाया और कई तरह से इन्होंने हमारी मदद की। माध्यमिक शाला का हमें पूरा सहयोग रहा। ग्रामवासियों ने हमारा शिविर उत्साह बढ़ाया सरपंच सचिव का हमें पूरा पूरा सहयोग मिला। कभी वो अवसर नहीं आया की हमें लगा हो यहां आकर गलती हो गई नहीं ऐसा लगा जैसे हम अपनों के बीच आये हैं। हमारे स्वयं सेवकों ने भी पूरी मर्यादा और निष्ठा ~~से~~ से अनुशासित ढंग का पालन किया। सर्वे में हमने देखा कि यहां के लोग विकास के प्रति जागरूक है जानकारी रखते हैं। यहां की महिलाएं सशक्त हैं।

हमने यहां बहुत कुछ सीखा। आज हम अपने स्वयं सेवकों से यही चाहेंगे की जो सीखा उसे अपने जीवन में अमल में लाना है इस अनुभव को खाली नहीं जाने दें समाज सेवा से जुड़े

जुबां से बात निकलकर कलाम हो जाए
तुम्हारी मिलकियत आसमान हो जाए।
करो तो ऐसा करो, जिन्दगी में खास कोई
तुम्हारे काम से भारत का नाम हो जाए

जय हिन्द

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
शासकीय महेन्द्र कर्मा कन्या
महाविद्यालय, दंतेवाड़ा (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय महेन्द्र कर्मा कन्या महाविद्यालय
दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) छ.ग.

दैनिक भास्कर

03-Dec-2018
बस्तर भास्कर Page 2

कॉलेज की 50 छात्राएं गांव में रहकर महिलाओं को बता स्वच्छता रखकर स्वस्थ रहने के तरीके, सर्वे भी किया जा

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दे रहीं शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी संदेश, गांव में महिलाओं की स्थिति जानने डोर टू डोर सर्वे भी कर रहीं, 7 दिनों तक चले

भास्कर न्यूज | [illegible]

[illegible] की 50 छात्राएं [illegible] 28 नवंबर से [illegible] ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश देते [illegible] कुएं जैसे जल स्रोतों के आसपास की सफाई [illegible] कर रही हैं और ग्रामीणों को स्वच्छ रहने के फायदे [illegible] रही हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप के तहत छात्राएं महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे में जागरूक कर रही हैं। दिन भर के सेवा कार्यों के बाद रोजाना शाम को कैंप फायर के जरिए [illegible] प्रस्तुतियों से शिक्षा-स्वास्थ्य और अन्य विषयों पर ग्रामीणों को [illegible] किया जा रहा है। इस बारे में महाविद्यालय की [illegible]

कैंप फायर में सांस्कृतिक प्रस्तुति [illegible]

सेवा कार्यों के बाद रोजाना शाम को कैंप फायर के जरिए मंचीय प्रस्तुतियों से शिक्षा-स्वास्थ्य व अन्य विषयों पर ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. [illegible] ने बताया कि इस बार [illegible] राष्ट्रीय सेवा योजना [illegible]

[illegible] लेकिन ग्रामीणों के [illegible] की भावना और [illegible] ने सभी आशंकाएं दूर कर दीं [illegible]

[illegible] और घर के पुरुषों के [illegible] मिलकर काम कर रही हैं। छात्राओं को इससे काफी [illegible]

डोर-टू-डोर सर्वे कर महिलाओं की स्थिति का पता लगा रही हैं। इसमें काम-काजी महिलाओं की स्थिति, घर की आर्थिक स्थिति में रोजगार, महिलाओं व परिवार की शिक्षा के स्तर से लेकर अन्य बातों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

खुद भी सीख

इस सात दिवसीय [illegible] में छात्राओं को [illegible] मौके भी मिल रहे [illegible] व्यक्तित्व विकास [illegible] डिप्टी कलेक्टर [illegible] जिला रोजगार अ[illegible] को कैरियर की [illegible] व्यक्तित्व विकास [illegible] दूसरे दिन जिला [illegible] एड्स नियंत्रण का [illegible] अधिकारी डॉ. [illegible] की स्वास्थ्य संबं[illegible] का समाधान किया [illegible] के जवाब दिए। [illegible] एड्स संक्रमण के [illegible] और बचाव के [illegible] जिला हॉस्पिटल [illegible] शंकर भगत [illegible] बचने के तरीके [illegible]

https://web.whatsapp.com

WELCOME
राष्ट्रीय सेवा

सभा कक्ष
WEL
स्वागत